सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 108 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 22 मई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

यहाँ कोई भी आपका सपना पूरा करने के लिए नहीं है। हर कोई अपनी तकदीर और अपनी हक़ीकत बनाने में लगा है।
-ओशो

प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम... 7 | बंगाल में टीमएसी व भाजपा में... 3 | अपराध पर भाजपा सरकार का... 2

मुख्य न्यायाधीश प्रोटोकाल उल्लंघन मामले ने पकड़ा तूल

जातिगत विमर्श की ओर मुड़ता सम्पूर्ण घटनाक्रम

» सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल
» दलित संगठनों और बुद्धिजीवियों में इस मुद्दे को लेकर असंतोष की लहर
» उल्लंघन प्रशासनिक चूक या जानबूझकर किया गया व्यवहार!
» महाराष्ट्र सरकार ने नहीं तोड़ी अभी तक चुप्पी
» राहुल गांधी की सजा पर लगाई थी रोक तीस्ता सीतलवाड़ को दी थी जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुख्य न्यायधीश भूषण रामकृष्ण गवई प्रोटोकाल मामला अब तूल पकड़ रहा है। आरोप है कि संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति को राज्य सरकार की ओर से वह सम्मान और सुरक्षा नहीं दी गई जिसकी अपेक्षा की जाती है। इस प्रकरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका भी दाखिल की गई है।

याचिका में प्रोटोकॉल के उल्लंघन की न्यायिक जांच की मांग की गई है। लेकिन बात यहीं तक सीमित नहीं रही है और अब यह मामला धीरे-धीरे जातिगत विमर्श की ओर मुड़ता दिखाई दे रहा है। जस्टिस बीआर गवई का संबंध महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र से है जो दलित आंदोलन का ऐतिहासिक गढ़ रहा है। वहां के दलित संगठनों और बुद्धिजीवियों में इस मुद्दे को लेकर असंतोष की लहर है। उनका मानना है कि यह घटना केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे दलित समाज के आत्म-सम्मान का प्रश्न है।

अदालत की चौखट पर पहुंचा मामला

सीजेआई बीआर गवई की महाराष्ट्र यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में केंद्र सरकार से कार्रवाई करने और राज्य के अधिकारियों की भूमिका की जांच करने का आग्रह किया गया है। जनहित याचिका में आधिकारिक प्रोटोकॉल के उल्लंघन के बारे में चिंता जताई गई है तथा केंद्र सरकार से उचित कार्रवाई करने तथा राज्य प्राधिकारियों से जुड़े मामले की जांच करने का आग्रह किया गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश जैसे उच्च संवैधानिक प्राधिकारी की यात्रा को सम्मान के साथ माना जाता है और मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और पुलिस आयुक्त जैसे वरिष्ठ राज्य अधिकारी आमतौर पर गणमान्य व्यक्ति की अगवानी करने के लिए मौजूद रहते हैं। ऐसे अधिकारियों की अनुपस्थिति से यह बहस छिड़ गई कि क्या न्यायपालिका की गरिमा का अनादर किया जा रहा है। इसके तुरंत बाद यह मामला गंभीर चिंता का विषय बन गया और जनहित याचिका के रूप में सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया।

सुप्रीम कोर्ट की भूमिका और भविष्य की राह

सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका पर यदि सुनवाई होती है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि न्यायपालिका इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाती है। क्या वह इसे महज प्रोटोकॉल की चूक मानकर छोड़ देगी या फिर इस मामले को गहराई से जांचने का आदेश देगी? इसके अलावा यदि यह साबित होता है कि जानबूझकर अपमान किया गया है तो यह भारत के संवैधानिक ढांचे के लिए एक गंभीर चेतावनी होगी। ऐसी स्थिति में न केवल महाराष्ट्र सरकार की जवाबदेही तय होगी बल्कि यह अन्य राज्यों के लिए भी एक उदाहरण बनेगा।

क्या मामला जाति से जुड़ा है

न्यायमूर्ति बीआर गवई देश के दलित मुख्य न्यायाधीशों में से एक हैं और यही वह बिंदु है जहां से मामला जातिगत राजनीति की ओर मुड़ता है। दलित संगठनों और कई सामाजिक कार्यकर्ताओं का दावा है कि यह अपमान एक दलित व्यक्ति के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचने के कारण हुआ है। उनका तर्क है कि यदि कोई अगड़ी जाति का मुख्य न्यायाधीश होता तो राज्य सरकार कभी ऐसा व्यवहार नहीं करती। यहां तक कि कुछ ओबीसी नेताओं ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और इसे संविधान के मूल मूल्यों के खिलाफ बताया है।

देश के दूसरे दलित जज हैं

गवई का जन्म 24 नवंबर 1960 को अमरावती, महाराष्ट्र में हुआ था और उन्होंने अमरावती के एक प्राथमिक नगरपालिका स्कूल में पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने चिकित्सा समूह माध्यमिक शाला और मुंबई के होली नेम हाई स्कूल में पढ़ाई की। जस्टिस के जी बालकृष्णन के बाद गवई ऐसे दूसरे दलित जज हैं जो सुप्रीम कोर्ट के मुख्य जज बने। अमरावती विश्वविद्यालय से वाणिज्य और कानून में डिग्री हासिल करने के बाद, वे 1985 में कानूनी पेशे में शामिल हो गए। वे पूर्व भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश हैं। वे 2003 से 2019 के बीच बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश भी रहे चुके हैं। 8 मई 2019 को हुई अपनी बैठक में, सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई का नाम सुप्रीम कोर्ट के जज के लिए प्रस्तावित किया था। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई भारतीय रिपब्लिकन पार्टी के नेता, महाराष्ट्र के विधायक, सांसद, तथा बिहार, सिक्किम व केरल इन तीन राज्य के राज्यपाल रह चूके रा सु गवई के पुत्र है।

जस्टिस गवई के ऐतिहासिक फैसलों का भी असर

जस्टिस गवई ने सुप्रीम कोर्ट के कई ऐतिहासिक फैसलों में अपना योगदान दिया है। वे संविधान पीठों का हिस्सा हैं। जस्टिस गवई ने ही अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द करने का फैसला सुनाया था। वे कई राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में शामिल रहे हैं। उदाहरण के लिए राहुल गांधी बनाम पूर्णेश ईश्वरभाई मोदी (2023) में

वे उन तीन जजों की बेंच का हिस्सा थे जिनहोने राहुल गांधी की आपराधिक मानहानि की सजा पर रोक लगा दी थी। 2024 में वह उस डिवीजन बेंच में थे जिसने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को 17 महीने की कैद के बाद ज़मानत दी थी। बेंच ने कहा था कि सिसोदिया की लंबी अवधि की कैद ने उन्हें त्वरित सुनवाई के उनके अधिकार से वंचित कर रखा है। जस्टिस गवई की नेतृत्व वाली एक बेंच ने पत्रकार तीस्ता सीतलवाड़ को ज़मानत दी थी जिसमें गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें ज़मानत देने से इनकार करने के तर्क को विकृत बताया गया था।

जानबूझकर किया प्रोटोकॉल का उल्लंघन!

जब कोई भी मुख्य न्यायाधीश राज्य की यात्रा पर होता है तो राज्य सरकार के प्रोटोकॉल विभाग द्वारा न केवल स्वागत की व्यवस्था की जाती है बल्कि सुरक्षा, आवास और अन्य सुविधाओं का भी ध्यान रखा जाता है। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक न्यायमूर्ति बीआर गवई की नागपुर यात्रा के दौरान राज्य सरकार की ओर से न तो कोई वरिष्ठ अधिकारी उन्हें रिसीव करने पहुंचा और न ही विशिष्ट प्रोटोकॉल के अनुसार उन्हें सुविधाएं दी गईं। यह सवाल उठता लाजमी है कि क्या यह एक प्रशासनिक चूक थी या फिर जानबूझकर किया गया व्यवहार? महाराष्ट्र सरकार ने अब तक इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया है जिससे अटकलों को और बल मिला है।

अपराध पर भाजपा सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- महिला अपराध में यूपी नंबर वन बन गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा का प्रदेश की योगी सरकार पर हमला जारी है। सपा मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। अपराध नियंत्रण के भाजपा सरकार के सभी दावे झूठे साबित हो रहे हैं।

कानून व्यवस्था और अपराध को लेकर भाजपा सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है। महिलाओं के साथ हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। भाजपा सरकार की नाकामी से महिला अपराध में यूपी नंबर वन बन गया है। पिछले दिनों मुरादाबाद में किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई। मेरठ में नर्स से दुष्कर्म का प्रयास हुआ। फर्रुखाबाद में घर में सो रही बुजुर्ग महिला की हत्या हो गई। बिल्हौर कानपुर नगर के चौबेपुर में एक व्यक्ति की हत्या हुई। यह घटनाएं तो सिर्फ उदाहरण मात्र है। प्रदेश में हर दिन ऐसी ही दर्जनों घटनाएं हो रही हैं। भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश में कोई भी सुरक्षित नहीं है। गरीबों के साथ अन्याय, अत्याचार की घटनाएं भी लगातार बढ़ती जा रही है। किसी को न्याय नहीं मिल रहा है।

सरकार के पास आश्वासन के अलावा कुछ नहीं

धरातल पर कोई कार्य नहीं हो रहा है। सरकार के पास आश्वासन के अलावा कुछ नहीं। झूठ, लूट और भ्रष्टाचार भाजपा सरकार की पहचान बन चुकी है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। पुलिस हिरासत में सबसे ज्यादा मौतें भाजपा सरकार में हो रही है। भाजपा सरकार जनता का भरोसा खो चुकी है। जनहित में काम करने के बजाय भाजपा सरकार निर्दोशों का उत्पीड़न कर रही है। पीड़ित असहाय जनता 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए संकल्पित है।

बिजली विभाग की लापरवाही से हो रहे हादसों की जांच हो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में हाइटेंशन लाइन से करंट लगने के कारण 4 लोगों की मौत और अन्य कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने को बेहद दुखद बताया। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार और बिजली विभाग इस घटना के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार न ठहराये बल्कि जाँच बिठाये, इन मौतों के लिए उत्तरदायी लोगों को बर्खास्त करे और मृतकों-घायलों को मुआवज़ा दे।

बार-बार बिजली जाने का संज्ञान ले सरकार

श्री यादव ने कहा कि सरकार बार-बार बिजली जाने और 24 घंटे बिजली न आने के ख़िलाफ़ हो रहे धरना-प्रदर्शन का संज्ञान ले। यदि भाजपा सरकार ने बिजली उत्पादन का नया प्लांट लगाया होता या पूर्व में समाजवादी पार्टी सरकार में बने बिजलीघरों को ठीक से चलाया होता और उत्पादन बढ़ाया होता तो प्रदेश की ऐसी बदहाली न होती। सोलर प्लांट की सुध न जाने भाजपा सरकार को कब आयेगी।

ऑपरेशन सिंदूर रोककर देश की बहनों को दिया धोखा : स्वामी प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बोले- मुद्दों से ध्यान बंटाती है भाजपा

बलरामपुर। पूव मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उनके निशाने पर केंद्र की मोदी सरकार रही। कहा कि 400 पार का नारा देकर संविधान बदलने की रणनीति बनी थी, लेकिन देश की जनता ने भाजपा को बैशाखी पर ला दिया। इससे संविधान बदल नहीं सके। ऑपरेशन सिंदूर पर विवादित टिप्पणी से बचते हुए बोले, लेकिन तंज कसा।

कहा कि आपरेशन सिंदूर को 24 घंटे के अंदर बंद करके देश की बहनों के साथ धोखा किया। उनके सिंदूर के साथ धोखा किया है। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के मुखिया श्री मौर्य ने कहा कि संविधान नहीं बदल सके तो संविधान की अनदेखी कर रहे हैं। जाति और धर्म के आधार पर कार्रवाई हो रही है। जाति के आधार पर अनूसूचितजाति और अनूसचित जनजाति के हक छीन रहे हैं।

मौत के करीब पहुंचने का अनुभव था : सागरिका घोष

» श्रीनगर में आपात लैंडिंग से बची सैकड़ों की जान, टीएमसी के कई नेता भी थे सवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। श्रीनगर जा रही इंडिगो की उड़ान के खराब मौसम के कारण आपात स्थिति में उतरने के पल को याद करते हुए तृणमूल कांग्रेस की नेता सागरिका घोष ने कहा कि ''यह मौत के करीब पहुंचने जैसा अनुभव था। तृणमूल का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल श्रीनगर जाने वाली उस उड़ान में सवार था, जिसमें खराब मौसम के कारण व्यवधान उत्पन्न हुआ।

इस विमान में प्रतिनिधिमंडल के सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन, नदीमुल हक, सागरिका घोष, मानस भुइयां और ममता ठाकुर शामिल थे। दिल्ली से बुधवार को 220 से अधिक लोगों को लेकर श्रीनगर जा रही इंडिगो की उड़ान खराब मौसम की वजह से प्रतिकूल परिस्थितियों में फंस गई, जिसके बाद पायलट ने श्रीनगर में विमान यातायात नियंत्रण को 'आपात स्थिति' की सूचना दी और फिर उसे सुरक्षित रूप से श्रीनगर में उतारा गया। सोशल मीडिया पर प्रतिकूल स्थिति के क्षणों के वीडियो सामने आए हैं, जिनमें घबराए हुए यात्रियों को विमान के हिलने के दौरान प्रार्थना करते हुए देखा जा सकता है। घोष ने कहा, ''यह मौत के करीब पहुंचने का अनुभव था। मुझे लगा कि मेरी जिंदगी खत्म हो गई है। लोग चीख रहे थे, प्रार्थना कर रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''उस पायलट को सलाम जिसने हमें उस स्थिति से निकाला। जब हम उतरे तो हमने देखा कि विमान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सोशल मीडिया की हेडलाइन के आधार पर किसी भाषण की आलोचना न करे: कार्ति चिदंबरम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई के भीतर मुद्दों को संबोधित करने की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए पार्टी के लोकसभा सांसद कार्ति पी चिदंबरम ने कहा कि राज्य में इंडी गठबंधन मजबूत है।

चिदंबरम ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पिता, वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम की इंडी गठबंधन के बारे में टिप्पणी को संदर्भ से बाहर ले जाया गया था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की हेडलाइन के आधार पर किसी भाषण की आलोचना न करें, बल्कि उसे पूरी तरह से सुनें। बता दें पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने हाल ही में इंडिया ब्लॉक के बारे में चिंता व्यक्त की थी। चिदंबरम ने 15 मई को सलमान खुर्शीद और मृत्युंजय सिंह यादव की किताब कंटेस्टिंग डेमोक्रेटिक डेफिसिट के विमोचन के अवसर पर कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि गठबंधन अभी भी बरकरार है या नहीं। (इंडिया ब्लॉक का) भविष्य उतना उज्ज्वल नहीं है, जैसा कि मृत्युंजय सिंह यादव ने कहा। उन्हें लगता है कि गठबंधन अभी भी बरकरार है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है। इसका जवाब केवल सलमान (खुर्शीद) ही दे सकते हैं क्योंकि वे इंडिया ब्लॉक के लिए बातचीत करने वाली टीम का हिस्सा थे।

सरना और आदिवासी धर्म कोड को लेकर झारखंड में सियासत गरमाई

» पांच वर्षों से केंद्र सरकार के पास लंबित हैं बिल : विनोद

» 27 मई को झामुमो देगी महाधरना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झामुमो ने केंद्र की एनडीए सरकार के खिलाफ हल्लाबोल करने का फैसला किया है। पार्टी ने सरना आदिवासी धर्म कोड विधेयक को मंजूरी देने की मांग को लेकर 27 मई को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।

पार्टी महासचिव और प्रवक्ता विनोद पांडेय ने सभी जिला अध्यक्षों को आधिकारिक निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सरना आदिवासी धर्म कोड विधेयक पिछले पांच वर्षों से केंद्र सरकार के पास लंबित है, लेकिन इस पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। पांडे के अनुसार इस स्थिति के कारण राज्य के आदिवासी समुदायों में गहरा आक्रोश है, इसलिए लोगों की आवाज को केंद्रीय स्तर पर उठाने की जरूरत है। पार्टी महासचिव ने यह भी दोहराया कि जब तक सरना धर्म कोड को मान्यता नहीं मिल जाती, तब तक जनगणना नहीं के नारे के साथ चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा। इससे पहले इस मुद्दे पर 9 मई को प्रस्तावित प्रदर्शन को भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति के कारण स्थगित कर दिया गया था। अब पार्टी ने एक बार फिर इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाने का फैसला किया है। पार्टी ने सभी जिला अध्यक्षों, सचिवों और संयोजकों को संबंधित बैठकें आयोजित करने और 27 मई के कार्यक्रम की तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

इस प्रदर्शन में झामुमो की केंद्रीय समिति के पदाधिकारी, सांसद, विधायक और मंत्री शामिल होंगे। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं को भी बड़ी संख्या में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है। वहीं, भाजपा ने झामुमो पर मगरमच्छ के आंसू बहाने और सरना धर्म कोड के विरोध का दिखावा करने का आरोप लगाया है।

हिमाचल में स्काउट बटालियन की स्थापना करने में केंद्र करे सहयोग : सुखविंदर सिंह

» बोले- प्रधानमंत्री के सामने मामला उठाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि नई दिल्ली के आगामी दौरे के दौरान वह केंद्र सरकार व पीएम के समक्ष हिमाचल स्काउट बटालियन की स्थापना का मामला प्रमुखता से उठाएंगे।

उन्होंने कहा कि स्थानीय युवा क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हैं, इसलिए स्थानीय युवाओं का यह विशेष बल राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में किसी भी स्थिति से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सुक्खू सैन्य अधिकारियों और बीआरओ के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्पीति घाटी के रंगरीक में हवाई अड्डा स्थापित करने का मामला भी केंद्र के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने क्षेत्र में चल रहीं विभिन्न सड़क परियोजनाओं पर विचार-विमर्श किया तथा बीआरओ को परियोजनाओं को पूरा करने में सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि निथलथाच-हर्षिल सड़क परियोजना को सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजना घोषित किया जाएगा। इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित किया जाएगा। इससे हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड के मध्य बेहतर संपर्क सुविधा सुनिश्चित होगी, जिससे पर्यटन तथा व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

बंगाल में टीमएसी व भाजपा में बढ़ेगा तकरार

विस चुनाव होने में अभी एक साल, अभी से बढ़ा बवाल

» मुर्शिदाबाद हिंसा की एसआईटी रिपोर्ट के बाद राज्य का सियासी माहौल गरमाया

» ममता बनर्जी ने बनाई रणनीति, बीजेपी ने भी कसी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में चुनाव अगले साल होने हैं। पर वहां पर अभी से सियासी गलियारों में हलचल शुरू हो गई है। जहां आपरेशन सिंदूर के लिए पूरी दुनिया में भेजे जा रहे डेलिगेशन में पहले तो टीएमसी ने मना कर दिया बाद में अपने नेता अभिषेक बनर्जी को भेजने का फैसला किया। अचानक निर्णय बदलने को भी लेकर चर्चा है सियासी नफे नुकसान के कारण सीएम ममता बनर्जी ने यह फैसला लिया। इसके अलावा एक अपनी पार्टी का प्रतिनिधि मंडल जम्मू-कश्मीर भेजने का भी टीएमसी ने फैसला किया है।

उधर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के संबंध में कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति की एसआईटी रिपोर्ट के बाद राज्य का सियासी माहौल गरमा गया है। भाजपा व टीएमसी में वार-पलटवार शुरू हो गया। दोनों अपने-अपने लाभ के लिए बयान देने शुरू कर चुकें हैं। भाजपा कहा कि टीएमसी सरकार के तहत किए गए हिंदू विरोधी अत्याचार स्पष्ट रूप से सामने आ गए हैं। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बनर्जी ने उन्हें दूरदर्शी विचार वाला और देश के लिए शहीद होने वाला नेता बताया। बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत के पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत राजीव गांधी को आज उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रही हूं। राजीव जी एक दूरदर्शी व्यक्ति थे और वह भारत के लिए शहीद हो गए।'' तमिलनाडु के श्रीपेरुंबुदूर में 21 मई 1991 को एक चुनाव प्रचार रैली के दौरान लिट्टे के आत्मघाती हमले में पूर्व प्रधानमंत्री की जान चली गई थी।

टीएमसी के पांच सांसदों का प्रतिनिधिमंडल जम्मू-कश्मीर जाएगा

अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देशन में, पार्टी का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 21 मई से 23 मई, 2025 तक जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों- श्रीनगर, पुंछ और राजौरी का दौरा करेगा। प्रतिनिधिमंडल में एआईटीसी के वरिष्ठ नेता डेरेक ओ%ब्रायन, मोहम्मद नदीमुल हक, मानस रंजन भूनिया, सागरिका घोष और ममता ठाकुर शामिल हैं। एक आधिकारिक बयान में, पार्टी ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य सीमा पार हमलों से प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करना और उन परिवारों के दुख को साझा करना है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। यह यात्रा क्षेत्र में हाल ही में हुई हिंसा की घटनाओं के बाद हो रही है, जिससे देश भर में चिंता बढ़ गई है। यह कदम वैश्विक स्तर पर हितधारकों को जानकारी देने के लिए सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की घोषणा के बाद उठाया गया है। बनर्जी ने दावा किया है कि उनकी पार्टी को इस पहल के बारे में सूचित नहीं किया गया था, उन्होंने कहा कि एआईटीसी को समन्वय प्रक्रिया से बाहर रखा गया था। इसके जवाब में, पार्टी ने प्रभावित आबादी तक पहुँचने के लिए एक स्वतंत्र पहल की है। एआईटीसी नेताओं से तीन दिवसीय यात्रा के दौरान स्थानीय निवासियों, पीड़ितों के परिवारों और क्षेत्रीय अधिकारियों से मिलने की उम्मीद है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी संसदीय प्रतिनिधिमंडल में पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के प्रति शून्य-सहिष्णुता पर भारत के दृढ़ रुख को व्यक्त करने और पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के विवरण को उजागर करने के लिए कई देशों का दौरा करेगा।

स्थानीय पुलिस पर भरोसा खत्म

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राजनीति का प्रकार चाहे कोई भी हो, वार सिर्फ हिंदू समुदाय पर है। अगर पहलगाम में चुन चुनकर हिंदुओं को मारा गया तो मुर्शिदाबाद में चुन चुनकर हिंदुओं को मारने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि लोगों का स्थानीय पुलिस पर भरोसा खत्म हो गया है और वे अपनी सुरक्षा के लिए बीएसएफ और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की स्थायी तैनाती की मांग कर रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि पुलिस पीड़ितों की संकटपूर्ण कॉल का जवाब देने में विफल रही। इसमें यह भी खुलासा हुआ कि हिंसा पूर्व नियोजित थी और अपराधियों ने अपनी पहचान छिपाई थी। अब यह निर्विवाद रूप से स्पष्ट है कि, हालांकि हिंसा की प्रकृति अलग-अलग हो सकती है, लेकिन पहलगाम से मुर्शिदाबाद तक एक ही बात आम है और वह है हिंदुओं को निशाना बनाना। इस निष्कर्ष से पुष्टि होती है कि हिंसा वास्तव में धार्मिक रूप से प्रेरित थी। अब अहम सवाल यह है कि ममता बनर्जी आधिकारिक रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से सिफारिश किए गए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कब करेंगी?

टीएमसी सरकार की हिंदू विरोधी निर्ममता सामने आई : सुधांशु त्रिवेदी

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान त्रिवेदी ने तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश में जिस प्रकार से एक विशिष्ट प्रकार की राजनीति चल रही है, जो देश की आंतरिक सुरक्षा को और ताने बाने को ध्वस्त करने के लिए किसी भी कीमत तक जाकर कमर कसे हुए दिखाई देती है। आज न्यायालय द्वारा गठित एसआईटी की रिपोर्ट आने के बाद पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार की हिंदू विरोधी निर्ममता अपने पूरे विद्रूप रूप में सामने आई है। भाजपा नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के संबंध में कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति की एसआईटी रिपोर्ट के बाद, टीएमसी सरकार के तहत किए गए हिंदू विरोधी अत्याचार स्पष्ट रूप से सामने आ गए हैं। 11 अप्रैल 2025 (शुक्रवार, दोपहर 2:00 से 4:00 बजे तक) को दर्ज की गई टिप्पणियों ने टीएमसी, भारत गठबंधन और तथाकथित धर्मनिरपेक्षता के चैंपियनों की पोल खोल दी है। उन्होंने कहा कि टीएमसी ने यह दावा करते हुए कि हिंसा के लिए बाहरी लोग जिम्मेदार हैं, एक झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश की। हालांकि, समिति के निष्कर्षों ने टीएमसी नेताओं की संलिप्तता को स्पष्ट रूप से उजागर किया है, जिसमें एक विधायक का नाम भी शामिल है। रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है। सभी हमले शुक्रवार, 11 अप्रैल को दोपहर 2 बजे से स्थानीय पार्षद महबूब आलम के निर्देश पर किए गए। जांच में यह भी पता चला कि कुल 113 घर क्षतिग्रस्त हुए और कई प्रभावित निवासियों को सुरक्षा के लिए मालदा भागने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में टीएमसी का प्रतिनिधित्व करेंगे अभिषेक बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी संसदीय प्रतिनिधिमंडल में पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के प्रति शून्य-सहिष्णुता पर भारत के दृढ़ रुख को व्यक्त करने और पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के विवरण को उजागर करने के लिए कई देशों का दौरा करेगा। यह निर्णय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को फोन करके ऑपरेशन सिंदूर प्रतिनिधिमंडल के लिए नामांकन का अनुरोध करने के बाद लिया गया। पश्चिम बंगाल की सीएम ने इस भूमिका के लिए अभिषेक बनर्जी को नामित किया। इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की निरंतर लड़ाई और ऑपरेशन सिंदूर को प्रदर्शित करने के लिए प्रमुख साझेदार देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की सूची में टीएमसी सांसद यूसुफ पठान के नाम पर चिंता व्यक्त की थी। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे नाम तय नहीं कर सकते। अगर वे मातृ पार्टी से अनुरोध करेंगे तो पार्टी नाम तय करेगी। यही परंपरा है, यही व्यवस्था है। हम विदेश नीति के मामले में केंद्र सरकार के साथ हैं और उनका पूरा समर्थन कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या टीएमसी ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का मुकाबला करने के उद्देश्य से केंद्र के बहुपक्षीय राजनयिक मिशन से बाहर निकलने का विकल्प चुना है, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि हमारे पास कोई अनुरोध नहीं आया। अगर कोई अनुरोध हमारे पास आता, तो हम विचार कर सकते थे। हम देश के पक्ष में हैं। विदेश मामलों के मुद्दे पर, हमने हमेशा केंद्र की नीति का समर्थन किया है। वर्तमान में, हम केंद्र सरकार के विचारों और कार्यों का समर्थन कर रहे हैं। वे अपने दम पर सदस्य का नाम तय नहीं कर सकते। यह उनकी पसंद नहीं है, यह पार्टी की पसंद है। अगर उन्होंने मुझसे किसी को भेजने का अनुरोध किया, तो हम नाम तय करेंगे और उन्हें बताएंगे। ऐसा नहीं है कि हम बहिष्कार कर रहे हैं या हम नहीं जा रहे हैं।

टीएमसी मुसलमानों को मुट्ठी में रखना चाहती है : अग्निमित्रा पॉल

ममता के इस हृदय परिवर्तन पर बीजेपी नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा, कि अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल के बाहर कौन जानता है?... यूसुफ पठान को लोग बाहर भी जानते हैं, वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी हैं। आप मुसलमानों को मुट्ठी में रखना चाहते हैं, उनको बुर्बक बनाके रखेंगे। उनको मदरसा की शिक्षा देंगे मॉडर्न शिक्षा नहीं देंगे । इसलिए अभिषेक बनर्जी का नाम आगे किया गया और यूसुफ पठान का नाम वापस लिया गया। यूसुफ पठान को बोलना चाहिए था, लेकिन मुझे लगता है कि वे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तो हैं, लेकिन उनकी रीढ़ की हड्डी थोड़ी कमजोर है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में यूसुफ पठान की जगह अभिषेक बनर्जी को भेजने और टीएमसी नेताओं को कश्मीर दौरे पर जाने के ममता के फैसले के पीछे बंगाल चुनाव हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर से टीएमसी सांसद बने यूसुफ पठान के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में जाने से पीछे हटने के बाद पार्टी की ओर से एक्स पर जानकारी दी गई कि ममता बनर्जी ने अभिषेक बनर्जी को आतंकवाद के खिलाफ भारत के वैश्विक रुख के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में हमारा प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित किया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सरकार व विपक्ष की एकजुटता से ही बेनकाब होगा पाकिस्तान

ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए भारत का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को रवाना हो गया। पर इस दल के जाने के पहले ही सियासी बवाल मचा हुआ है। इस तरह के विवाद या राजनीति, देश की सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े विषय पर किसी के हित में नहीं है। आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में दुनिया को बताने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का सरकार का फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण है इसका विवादों में घिर जाना। पहलगाम में आतंकियों की नृशंसता के बावजूद जवाब देते हुए भारत ने जिस तरह संयम बरता, उसकी तारीफ सभी कर रहे हैं। पाकिस्तान की तरफ से उकसावे वाले कदमों के बाद भी भारत की प्रतिक्रिया सधी, सटीक और नियंत्रित रही। हिंदुस्तान ने पाकिस्तान को जवाब ही नहीं दिया, उसकी असलियत भी दुनिया के सामने ला दी है।

इस्लामाबाद के बचे हुए सपोर्ट सिस्टम को खत्म करने और भारत की चिंता और स्टैंड से दुनिया को वाकिफ कराने के लिए सरकार की ओर से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भेजे जाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों से सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा है। इससे एक अच्छा मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए। कांग्रेस का आरोप है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर बीजेपी ओछी राजनीति कर रही है। वहीं, बीजेपी ने कांग्रेस के भेजे नामों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह तस्वीर उससे बिल्कुल अलग है, जब सारे दल आतंकवाद के खिलाफ जंग में एकजुट नजर आ रहे थे। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्र में काम कर चुके हैं, विदेश राज्य मंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से डेलिगेशन को मिलेगा। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था। इस अपेक्षा को गलत नहीं कहा जा सकता। मगर इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था। अच्छा होता कि सत्ता पक्ष और विपक्ष सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय सीधे आपस में बात करते। विवाद चाहे जिस तरह के भी हों पर अब चूकि भारतीय दल अपने मिशन के लिए दुनिया के निकल पड़ा है अब हमें ये उम्मीद करनी चाहिए कि भारत के नेताओं का दल पाकिस्तान का बेनकाब करके भारत के मान को बढ़ाएगा। इस काम में सरकार व विपक्ष दोनों साथ मिलकर काम करेंगे।

“ आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में दुनिया को बताने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का सरकार का फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण है इसका विवादों में घिर जाना। पहलगाम में आतंकियों की नृशंसता के बावजूद जवाब देते हुए भारत ने जिस तरह संयम बरता, उसकी तारीफ सभी कर रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कोरोना की दस्तक पर सजगता जरूरी

ऋतुपर्ण दवे

देश-दुनिया पर कोरोना का संकट एक बार फिर मंडरा रहा है। वैसे देश में प्रभावितों की संख्या मामूली है। 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। अभी बीते सप्ताह के ताजे आंकड़ों के अनुसार संख्या कम जरूर है लेकिन सच्चाई भी है कि मामले या तो समझ नहीं आ रहे या दर्ज नहीं हो रहे हैं। बीते सप्ताह केरल में 69, महाराष्ट्र में 44 और तमिलनाडु में 34 मामले दर्ज हुए। लेकिन शेष एशिया में जिस तरह से कोविड के मामले दर्ज हो रहे हैं, वे चिंता बढ़ाते दिख रहे हैं। हांगकांग और सिंगापुर में यह तेजी से फैल रहा है। अभी नया वैरिएंट जेएन-1 का प्रकोप जारी है। यह पहली बार अगस्त, 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दिसंबर, 2023 में ही 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर साफ किया था कि यह ओमिक्रॉन बीए.2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एलएफ7 और एनबी1.8 की संख्या ज्यादा थी।

कोरोना की यह नई लहर साउथ-ईस्ट एशिया में ज्यादा असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़े हैं। अकेले सिंगापुर में मई की शुरुआत में 14,200 से ज्यादा नए मामले आए। इन जगहों पर भी जेएन1 और उसके उप-वैरिएंट ज्यादा मिल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इन देशों में बढ़ते मामलों का कारण वहां लोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी है। भारत में भी ऐसी संभावना से इंकार नहीं है। तमिलनाडु, केरल और महाराष्ट्र में धीरे ही सही, इसका बढ़ना अच्छा संकेत नहीं है। बीते 18 मई को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रैविस हेड कोरोना संक्रमित हुए तो दूसरे ही दिन बिग बॉस फेम शिल्पा शिरोडकर भी शिकार हो गईं। इतना तो समझ आ गया है कि सिंगापुर अब नया हॉटस्पॉट बनकर उभर रहा है। सप्ताहभर में ही संक्रमण के मामलों में 28 फीसदी की वृद्धि चिंताजनक है। चीन से छन-छनकर जो निकल रहा है वहां भी बीते एक महीने में कोरोना मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन चीन से जितने वैरिएंट सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा।

इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वे हैं जो कोमोरबिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियां होती हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि

कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोरबिडिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वाले बुजुर्गों, कोमोरबिडिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है। मुंबई के एक अस्पताल में दो मरीजों की मौत के बाद भ्रम की स्थिति बनी है। अस्पताल ने इन्हें गंभीर बीमारियों से हुई मौत बताया जिसका कोविड-19 से कोई संबंध नहीं था। अस्पताल का कहना है कि मौतें कोविड-19 से नहीं, बल्कि हाइपोकैल्सीमिक दौरे और कैंसर के साथ नेफ्रोटिक सिंड्रोम जैसी गंभीर बीमारियों के कारण हुई हैं। लेकिन चर्चा है कि दोनों मृतकों में कोविड के लक्षण थे। लगता नहीं कि ऐसी ऊहापोह वाली स्थितियों से कोविड को लेकर फिर पहले जैसा भ्रम फैलेगा? भारत में फिर से कोरोना वायरस के मामले धीरे-धीरे बढ़ने लगे हैं। हांगकांग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का बयान चिंताजनक है जिसमें उन्होंने माना कि कोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं। सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने की संख्या अभी साल के महज पांचवें महीने में ही उच्च स्तर पर पहुंच गई है। जबकि चीन में श्वास संबंधी बीमारियों की जांच करवाने वाले मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दोगुने होना चिंताजनक है। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। साथ ही चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर तेज भी हो सकती है। साउथ-ईस्ट एशिया के हालात देखते हुए भारत भी सतर्क है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण, आपदा प्रबंधन सेल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञ इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि कोविड के पुष्ट मामलों की मौजूदा संख्या 257 है। देश की आबादी के दृष्टिगत यह बहुत कम है। अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और श्वसन संक्रमण के गंभीर मामलों की निगरानी करने के लिए कहा गया है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से निगरानी रख हुए है। देशभर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे सभी पर्याप्त इंतजाम रखें।

साइबर कवच की कमियां दूर करने की दरकार

दिनेश सी. शर्मा

पिछले दिनों जब भारत-पाकिस्तान टकराव के दौरान देश के रणनीतिक महत्त्व के ठिकानों को निशाना बनाकर दागी गई मिसाइलों और ड्रोनों को मार गिराया जा रहा था तो ठीक उसी वक्त दुश्मन द्वारा सीमावर्ती क्षेत्र में चल रहे इस संग्राम के अलावा भी एक महत्वपूर्ण परिचालन को बाधित करने के प्रयास किए जा रहे थे। देश की साइबर सुरक्षा एजेंसी, भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-आईएन) ने रैनसमवेयर हमलों, डिस्ट्रीब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (डीडीओएस) घटनाओं के अतिरिक्त कुछ रक्षा संस्थाओं की वेबसाइटों को बिगाड़ने, डेटा में सेंध लगाने और मैलवेयर इन्फेक्शन के रूप में साइबर हमलों में अत्यधिक वृद्धि की पहचान की व उसे विफल किया।

ऐसे हमलों को सिस्टम और सेवाओं की इंटेग्रिटी, गोपनीयता और उपलब्धता के लिए बड़ा जोखिम माना जाता है। एजेंसी ने उच्च खतरे की रेटिंग वाले साइबर हमलों को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसके आधार पर, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और अन्य वित्तीय एजेंसियों ने अपने सदस्यों और बाजार प्रतिभागियों को सतर्क किया। उन्हें साइबर सुरक्षा तंत्र की समीक्षा करने और महत्वपूर्ण डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के कदम उठाने के लिए आवश्यक उपाय करने की सलाह दी गई। बैंकिंग, शेयर बाजार, वित्तीय सेवाएं, लाभ हस्तांतरण और ई-शिक्षा जैसी डिजिटल सेवाओं की सुरक्षा इस 'रीढ़' यानी दूरसंचार और इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर के सुरक्षित रहने पर निर्भर है। यह आगे हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और नेटवर्क सुरक्षित रहने पर आधारित है। इस 'रीढ़' में किसी भी स्तर पर सेंध संभावित रूप से करोड़ों लोगों को प्रभावित कर सकती है, क्योंकि लगभग 115 करोड़ भारतीय दूरसंचार नेटवर्क और उन पर आधारित सेवाएं उपयोग करते हैं। सुरक्षा में सेंध का जोखिम न्यूनतम रखने का मतलब है हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का हरेक अंग निरापद बनाना- दूरसंचार नेटवर्क और क्लाउड सर्वर से लेकर मोबाइल फोन और सुरक्षा कैमरे तक को।

हाल के वर्षों में, स्विच, राउटर, रिपीटर और गेटवे जैसे महत्वपूर्ण दूरसंचार नेटवर्क उपकरणों का आयात, या तो सीधे ज़ेडटीई और हुआवे जैसी चीनी कंपनियों से या उनकी घटक कंपनियों से किया गया, जो भारत सहित कई देशों में चिंता का विषय है। ऐसे हार्डवेयर ऑनबोर्ड सॉफ्टवेयर में, फ़ैक्टरी सेटिंग्स और डिफ़ॉल्ट पासवर्ड में पहले से ही संलग्न रहते हैं जिनसे गंभीर सुरक्षा जोखिम हो सकता है। इस खतरे को भांपते हुए, जो बाइडेन प्रशासन ने दूरसंचार नेटवर्क से चीनी उपकरणों को 'चिह्नित करने और बदलने' के लिए 2021 में 'रिप-एंड-रिप्लेस' पहल शुरू की थी। कुछ यूरोपीय संघ के सदस्य देशों ने भी अपने 5-जी नेटवर्क में चीनी कंपनियों की भागीदारी सीमित करने या हटाने के कदम उठाए। भारत में भी विशेषज्ञों ने ऐसी ही पहलकदमी का सुझाव दिया, क्योंकि चीनी उपकरणों पर सरकारी प्रतिबंधों के बावजूद, कई आपूर्तिकर्ता चीनी कंपनियों से दूरसंचार उपकरण खरीदना जारी रखे हैं।

पिछले साल वॉयस ऑफ इंडियन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी एंटरप्राइजेज नामक उद्योग संगठन द्वारा किए गए अध्ययन में चेतावनी दी गई कि सुरक्षा क्षेत्र में संवेदनशील उत्पादों सहित चीनी मूल के कई उत्पादों को सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों की खरीद में शामिल करने की अनुमति दी हुई थी। निर्देश हैं कि सरकारी एजेंसियों को अपनी आवश्यकता की पूर्ति गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल से करनी चाहिए। किंतु कई व्यापारी चीन से उपकरण खरीदकर, इन्हें वाया सिंगापुर या थाईलैंड भारत लाकर बेचते हैं, व इनमें मामूली हेरफेर कर, 'मेड इन इंडिया' का ठप्पा लगाकर जीईएम पर बेचने के लिए सूचीबद्ध करते हैं। रक्षा इकाइयों सहित सरकारी एजेंसियां, जीईएम पोर्टल से ऐसे ड्रोन खरीद रही थीं, जिनमें कुछ चीनी मूल के थे। सीईआरटी-आईएन द्वारा किए एक विश्लेषण के अनुसार, मानव रहित विमान प्रणाली या ड्रोनों के हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, संचार प्रणाली और परिचालन प्रक्रियाओं के अंदर जटिल अंत:क्रियाएं शामिल होती हैं- जिनमें मैलवेयर से संक्रमित होने का जोखिम बना रहा है। मसलन, मैलवेयर को स्वीकार किए गए किसी नए अपडेट या रिमोट सर्विस एक्सेस के माध्यम से ड्रोन के फर्मवेयर में इंजेक्ट किया जा सकता है, जिससे आगे भी मैलवेयर डालने, डाटा तक अनधिकृत पहुंच करने या परिचालन को बिगाड़ा जा सकता है। यह मैलवेयर छेड़छाड़ किए गए अपडेट्स या रिमोट सेवा द्वारा भी डालना संभव है। इसलिए, संवेदनशील उपकरण के लिए सोर्स कोड तक पहुंच होना महत्वपूर्ण है, और यह तभी संभव है जब सप्लायर भारत का हो।

सप्लायर मानकों और विनियमों में कमजोरियों का भी लाभ उठाते हैं। मसलन, लगभग 450 कंपनियां बिना कोई राष्ट्रीय मानक प्रमाणपत्र जीईएमपोर्टल पर सुरक्षा कैमरे बेचती पाई गईं। एसटीक्यूसी (मानकीकरण परीक्षण और गुणवत्ता प्रमाणन) प्रणाली के तहत गुणवत्ता, सुरक्षा और साइबर सुरक्षा मानकों पर कसने और लागू करने के बाद, इनमें केवल 13 कंपनियां ही योग्यता पर खरी उतरीं। दूरसंचार प्रणाली का सबसे छोटा हिस्सा, जैसे सिम कार्ड भी असुरक्षित हो सकता है क्योंकि इसमें एम्बेडेड सॉफ्टवेयर या ऑपरेटिंग सिस्टम (मोबाइल फ़ोन के ऑपरेटिंग सिस्टम के अलावा) होते हैं। मोबाइल फ़ोन कंपनियां चीन सहित विभिन्न स्रोतों से सिम कार्ड में इस्तेमाल होने वाले चिपसेट खरीदती हैं। भारत में उपयोग किए जा रहे सिमकार्डों में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के तहत राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक कार्यालय द्वारा अनिवार्य 'विश्वसनीयता स्रोत अनुमोदन' प्रमाणपत्र बगैर चल रहे हैं।

कंधे का दर्द

इन योगासनों से मिलेगी राहत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कंधे का दर्द एक आम समस्या बन गई है। लंबे समय तक कंप्यूटर पर काम करना, गलत पोस्चर में बैठना या भारी सामान उठाना कंधे की मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द का कारण बन सकता है। इस दर्द से राहत पाने के लिए लोग अक्सर पेनकिलर या अन्य तरह के उपचार का सहारा लेते हैं, लेकिन योग एक प्राकृतिक और प्रभावी तरीका है जिससे कंधे के दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है। योग न केवल शारीरिक रूप से आपको स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है। कंधे के दर्द के लिए कुछ विशेष योगासन का रोज अभ्यास करने आपका ये दर्द ठीक हो सकता है। इनका नियमित अभ्यास करने से कंधे की मांसपेशियों में लचीलापन आता है, रक्त संचार बेहतर होता है और दर्द से राहत मिलती है।

उत्तानासन

अगर लंबे समय तक एक जगह बैठकर काम करते है, तो आपको उत्तानासन योग जरूर करना चाहिए। इसे करने से आपको कई लाभ मिलते है। उत्तानासन के अभ्यास के दौरान सिर आपके दिल के नीचे होता है। इससे आपके मस्तिष्क की ओर रक्त प्रवाह तेज हो जाता है और यहां ऑक्सीजन की आपूर्ति अच्छे से होती है। इस योगासन की मदद से पीठ वाले हिस्से में खिंचाव आता है और यह पैर से लेकर पूरे शरीर पर प्रभाव डालता है। उत्तानासन के अभ्यास से हिप्स, हैमस्ट्रिंग और पैरों की मांसपेशियों में खिंचाव आता है जबकि इससे घुटने और कंधे मजबूत होते हैं। इस आसन को करने के लिए सीधे खड़े हो जाएं और अपने पैरों को कूल्हे-चौड़ाई जितना खोल लें। सांस लेते हुए अपने हाथों को ऊपर की ओर उठाएं, और फिर सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें, अपनी पीठ को सीधा रखने की कोशिश करें। अपने हाथों को जमीन पर या अपने पैरों के पास रखें, यदि आप जमीन तक नहीं पहुंच पाते हैं, तो आप अपनी पिंडलियों को पकड़ सकते हैं। अपने सिर को नीचे की ओर लटकाएं और अपने कंधों को आराम दें। इस स्थिति में 30 से 60 सेकंड तक रहें, फिर सांस लेते हुए धीरे-धीरे ऊपर उठें और सामान्य स्थिति में आ जाएं।

गोमुखासन

गोमुखासन, या गाय का चेहरा मुद्रा, एक मौलिक योग आसन है जिसका नाम संस्कृत शब्दों गो (गाय), मुख (चेहरा), और आसन (मुद्रा) से लिया गया है, जो गाय के चेहरे के साथ मुद्रा की समानता को दर्शाता है। गोमुखासन करने से पहले, तैयारी के आसन करने से संबंधित मांसपेशियों को खोलने में मदद मिल सकती है, इससे अंतिम आसन बेहतर और अधिक प्रभावी हो जाता है। इस आसन को करने के लिए जमीन पर आराम से बैठ जाएं और पैरों को सामने की ओर फैला लें। फिर बाएं पैर को मोड़कर एड़ी को दाएं कूल्हे के पास रखें। इसके बाद दाएं पैर को मोड़कर बाएं पैर के ऊपर इस तरह रखें कि दोनों घुटने एक-दूसरे के ऊपर आ जाएं। अपनी पीठ को सीधा रखते हुए, दाहिने हाथ को ऊपर उठाएं और कोहनी से मोड़कर पीठ के पीछे ले जाएं। अब बाएं हाथ को नीचे से पीठ के पीछे ले जाएं और दोनों हाथों को आपस में पकड़ने की कोशिश करें। यदि हाथ न मिलें तो आप किसी कपड़े या बेल्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस स्थिति में 30 से 60 सेकंड तक बने रहें, फिर धीरे-धीरे हाथों और पैरों को खोलकर सामान्य स्थिति में आ जाएं। इसी प्रक्रिया को रोजाना 3-4 बार करें।

गरुड़ासन

इस आसन को करने के लिए सीधे खड़े हो जाएं और अपने शरीर को संतुलित रखें। अपने दाहिने पैर को थोड़ा सा मोड़ें और बाएं पैर को दाहिने पैर के चारों ओर लपेटें, ध्यान रहे कि बाएं पैर का पंजा दाहिने पिंडली के पीछे टिका होना चाहिए। अब अपने हाथों को सामने की ओर फैलाएं और अपनी दाहिनी भुजा को बाईं भुजा के ऊपर से लपेटें। अपनी कोहनियों को मोड़ें और हथेलियों को आपस में मिलाएं। अपनी दृष्टि को एक बिंदु पर केंद्रित करें और इस स्थिति में 30 से 60 सेकंड तक रहें। फिर धीरे-धीरे हाथों और पैरों को खोलकर सामान्य स्थिति में आ जाएं। इसी प्रक्रिया को दूसरी तरफ से भी दोहराएं।

मार्जरीआसन

इस आसन को करने के लिए घुटनों और हाथों के बल जमीन पर आ जाएं, आपकी हथेलियां कंधों के ठीक नीचे और घुटने कूल्हों के ठीक नीचे होने चाहिए। मार्जरीआसन करने के लिए सांस छोड़ते हुए अपनी रीढ़ को ऊपर की ओर गोल करें और अपनी ठुड्डी को अपनी छाती की ओर ले जाएं। इसके बाद बिटिलासन करने के लिए सांस लेते हुए अपनी रीढ़ को नीचे की ओर झुकाएं और अपने सिर को ऊपर उठाएं। इस प्रक्रिया को 5 से 10 बार दोहराएं।

हंसना मना है

मनोहर ने गजोधर से पूछा: क्या एक वाईफ अपने हसबैंड को लखपती बना सकती है? गजोधर: हां, पर हसबैंड करोड़पती होना चाहिए।

लड़की: क्या कर रहे हो? लड़का: मक्खियां मार रहा हूं, लड़की: कितनी मारी? लड़का: 3 मेल और 2 फीमेल, लड़की: कैसे मालुम? लड़का: क्योंकि, 3 दारू की बोतल से चिपकी थी और 2 फोन से।

वाह प्रभु, अजब तेरी लीला है, चूहा बिल्ली से डरता है, बिल्ली कुत्ते से डरती है, कुत्ता आदमी से डरता है, आदमी बीवी से डरता है और बीवी चूहे से डरती है।

पति रोज किचन में जाता और चीनी का डिब्बा खोलकर देखता और फिर बंद करके रख देता, पत्नी: रोज-रोज ये क्या करते रहते हो? पति: चुप कर, डॉक्टर ने कहा है, रोज अपनी शुगर चेक करते रहो।

अंकल- बेटा क्या करते हो? लड़का- नारी सम्मान सेवा पर काम कर रहा हूं अंकल- सोशल वर्कर हो? लड़का- नहीं अंकल फेसबुक पर सब लड़कियों की फोटो लाइक करता हूं...

कहानी | महात्मा जी की बिल्ली

एक महात्माजी अपने कुछ शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे, एक दिन एक बिल्ली का बच्चा रास्ता भटककर आ गया। महात्माजी ने भूखे बच्चे को दूध-रोटी खिलाया। वह बच्चा वहीं आश्रम में रहकर पलने लगा। लेकिन इससे महात्माजी को एक समस्या उत्पन्न हो गयी कि जब वे सायं ध्यान में बैठते तो वह बच्चा कभी उनकी गोद में चढ़ जाता, कभी कन्धे या सिर पर बैठ जाता। तो महात्माजी ने अपने एक शिष्य को बुलाकर कहा देखो मैं जब सायं ध्यान पर बैठूं, उससे पूर्व तुम इस बच्चे को दूर एक पेड़ से बांध आया करो। एक दिन महात्माजी की मृत्यु हो गयी तो उनका एक प्रिय काबिल शिष्य उनकी गद्दी पर बैठा। वह भी जब ध्यान पर बैठता तो उससे पूर्व बिल्ली का बच्चा पेड़ पर बाँधा जाता। फिर एक दिन तो अनर्थ हो गया, बिल्ली ही खत्म हो गयी। सारे शिष्यों की मीटिंग हुयी, सबने विचार विमर्श किया कि बड़े महात्माजी जब तक बिल्ली पेड़ से न बाँधी जाये, तब तक ध्यान पर नहीं बैठते थे। अतः पास के गाँवों से कहीं से भी एक बिल्ली लायी जाये। काफी ढूंढने के बाद एक बिल्ली मिली, जिसे पेड़ पर बाँधने के बाद महात्माजी ध्यान पर बैठे। विश्वास मानें, उसके बाद जाने कितनी बिल्लियाँ मर चुकी और न जाने कितने महात्माजी मर चुके। लेकिन आज भी जब तक पेड़ पर बिल्ली न बांधी जाये, तब तक महात्माजी ध्यान पर नहीं बैठते हैं। कभी उनसे पूछो तो कहते हैं यह तो परम्परा है। हमारे पुराने सारे गुरुजी करते रहे, वे सब गलत तो नहीं हो सकते। कुछ भी हो जाये हम अपनी परम्परा नहीं छोड़ सकते। यह तो हुयी उन महात्माजी और उनके शिष्यों की बात। पर कहीं न कहीं हम सबने भी एक नहीं, अनेकों ऐसी बिल्लियाँ पाल रखी हैं। कभी गौर किया है इन बिल्लियों पर सैकड़ों वर्षो से हम सब ऐसे ही और कुछ अनजाने तथा कुछ चन्द स्वार्थी तत्वों द्वारा निर्मित परम्पराओं के जाल में जकड़े हुए हैं। ज़रुरत इस बात की है कि हम ऐसी परम्पराओं और अंधविश्वासों को अब और ना पनपने दें और अगली बार ऐसी किसी चीज पर यकीन करने से पहले सोच लें की कहीं हम जाने-अनजाने कोई अन्धविश्वास रुपी बिल्ली तो नहीं पाल रहे?

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ

चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन

विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

कर्क

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंह

योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या

कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

तुला

बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृश्चिक

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनु

स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा।

मकर

रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

कुम्भ

आज किसी भी तरह के विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। कार्य की अधिकता रहेगी।

मीन

मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

राम गोपाल को कियारा के बिकिनी सीन पर कमेंट करना पड़ा मंहगा

राम गोपाल वर्मा एक बार फिर भद्दे कमेंट के चलते सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हो गए। इस बार उनकी आलोचना का कारण बना फिल्म 'वॉर 2' के टीजर से सामने आया अभिनेत्री कियारा आडवाणी का बिकिनी लुक, जिसपर टिप्पणी करना राम गोपाल वर्मा को भारी पड़ गया।

वॉर 2 के टीजर में कियारा आडवाणी एक पूल साइड सीन में बिकिनी में नजर आईं। इसी सीन का एक स्क्रीनशॉट लेकर राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया पर एक अश्लील टिप्पणी कर दी। उनकी इस पोस्ट को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें जमकर खरी-खोटी सुनाई। आलम ये रहा कि फैंस की आलोचना से परेशान होकर डायरेक्टर को अपना पोस्ट डिलीट करना पड़ गया।

सोशल मीडिया पर राम गोपाल वर्मा की पोस्ट के स्क्रीनशॉट्स वायरल हो गए। कई यूजर्स ने उन्हें जमकर लताड़ा और सीधे-सीधे अपनी उम्र का लिहाज करने के लिए कहा। वहीं कुछ ने सीधे-सीधे उनकी मानसिक स्थिति पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा, 'जो व्यक्ति ये बातें सार्वजनिक रूप से लिख सकता है, सोचिए वो निजी जिंदगी में क्या सोचता होगा।' हालांकि पोस्ट को डिलीट करने के बाद भी यह मामला शांत होता नजर नहीं आ रहा है।

कियारा आडवाणी के फैंस ने इस पूरे मामले में एकजुट होकर राम गोपाल वर्मा को ट्रोल किया। सोशल मीडिया पर कियारा आडवाणी ट्रेंड करने लगा और यूजर्स ने मांग की कि सेलेब्रिटीज को महिलाओं के प्रति इस तरह की भाषा से बचना चाहिए।

इसी बीच कियारा आडवाणी की फिल्म 'वॉर 2' का टीजर जमकर वाहवाही बटोर रहा है। फिल्म में ऋतिक रोशन मुख्य भूमिका में हैं और जूनियर एनटीआर विलेन के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं और यह 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टीजर को 24 घंटे में 20 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

अर्चना ने अपनी शादी की समस्याओं की खबरों को किया खारिज

हाल ही में मीडिया में खबरें आईं कि अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह और उनके पति अभिनेता परमीत सेठी के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इस पर अभिनेत्री अर्चना ने प्रतिक्रिया दी है। मंगलवार (20 मई) को अपने यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए व्लॉग में अर्चना ने अपने एक प्रशंसक की परमीत के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की। अर्चना ने बताया कि उनके वीडियो में वास्तविक बहस नहीं हैं। उन्होंने अपनी शादी की समस्याओं के बारे में अटकलों को खारिज कर दिया। वीडियो में अर्चना ने बताया कि कुछ दिन पहले, एक फैन ने उनके और परमीत के बीच तनाव को महसूस करते हुए उनके रिश्ते पर चिंता जाहिर की। उन्होंने बताया कि वह किसी भी सामान्य जोड़े की तरह बहस करते हैं और मुद्दों पर चर्चा करते हैं लेकिन उनके बीच कोई वास्तविक तनाव नहीं है। अर्चना ने हंसते हुए यह भी कहा कि थोड़ा बहुत गुस्सा ठीक है। आपको बता दें कि अर्चना और परमीत ने 30 जून 1992 को एक गुप्त विवाह समारोह में शादी की थी। बताया जाता है कि दोनों ने भागकर शादी की थी। उनके परिवार वाले इस शादी के खिलाफ थे, इसलिए दोनों ने अपनी शादी को चार साल तक छिपाकर रखा। अब उनकी शादी को काफी साल हो गए हैं। उनके दो बेटे हैं। आर्यमान सेठी और आयुष्मान सेठी। अर्चना को आखिरी बार शाउना गौतम के निर्देशन में बनी फिल्म नादानियां में मिसेज ब्रैगेंजा मल्होत्रा के रूप में देखा गया था। इस फिल्म में उन्होंने 1998 की फिल्म कुछ कुछ होता है में अपनी भूमिका दोहराई थी। अभिनेत्री अपने यूट्यूब चैनल पर काफी सक्रिय हैं। यहां वह अक्सर पारिवारिक व्लॉग साझा करती हैं। वे मुंबई के अगल-अलग रेस्तरां में अलग-अलग खाने खाते हैं। बाद में उनकी समीक्षा साझा करते हैं। वे अपने दैनिक जीवन की झलक भी दिखाते हैं।

रश्मिका मंदाना ने डिज्नी की दुनिया में मारी शानदार एंट्री

हिंदी सिनेमा की दो मेगा हिट फिल्मों 'एनिमल' और 'छावा' का हिस्सा रहीं अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की लोकप्रियता को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माण कंपनी डिज्नी पिक्चर्स ने भी सलाम कर दिया है। भारतीय सिनेमा के गिनती के सितारे ही ऐसे रहे हैं जिन्हें डिजनी की फिल्मों के साथ जुड़ने का ये गौरव मिला है। फिल्म 'मुफासा' में महेश बाबू की जोड़ी जमने के बाद रश्मिका दूसरी साउथ सिनेमा कलाकार हैं, जिनके साथ डिज्नी ने अपनी किसी फिल्म का रिश्ता जोड़ा है। दुनिया की सबसे बड़ी फिल्म कंपनियों में से एक डिज्नी की शुरू से कोशिश रही है कि वह जिन जिन देशों में वहां की भाषाओं में अपनी फिल्में डब करके रिलीज करती है, वहां के सितारों के साथ वह एक भावुक रिश्ता जरूर बनाती है। फिल्म 'द लॉयन किंग' और फिल्म 'मुफासा' में शाहरुख खान ने अपने बेटों के साथ फिल्म के मुख्य किरदारों की डबिंग की है। फिल्म 'मुफासा' के लिए साउथ सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू का भी नंबर लगा था। महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एस एस राजामौली की फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं।

इससे पहले अभिनेत्रियों में ऐश्वर्या राय बच्चन ने डिज्नी की ही फिल्म 'मैलिफिसिएंट' में मुख्य किरदार की डबिंग की और फिल्म 'फ्रोजेन' में ये मौका प्रियंका चोपड़ा को मिला। स्थानीय कलाकारों के साथ काम करने की डिज्नी की इसी दशकों पुरानी परंपरा का हिस्सा अब रश्मिका मंदाना बनी है। रश्मिका ने डिज्नी की इस शुक्रवार रिलीज हो रही फिल्म 'लिलो एंड स्टिच' के जरिये डिज्नी से अपना रिश्ता बनाया है। रश्मिका खुद भी एनीमेशन फिल्मों की बचपन से दीवानी रही हैं।

इस शहर में ऊंची हील वाली सैंडल पर है रोक, पहनने के लिए लेना पड़ता है परमिट!

महिलाओं में ऊंची हील वाली सैंडल काफी फेमस है। ये सैंडल ग्लैमरस लुक को निखारने का काम करती है। इस वजह से सिर्फ रैंप वॉक पर ही नहीं, बल्कि औरतों को अन्य तरह के फंक्शन में भी आप सैंडल पहने देख लेंगे। कई लड़कियां तो हाई हील वाली सैंडल का कलेक्शन रखती हैं। पर क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा भी शहर है, जहां हाई हील वाली सैंडल पहनने से पहले आपको परमिट लेना पड़ता है? कार्मेल-बाय-द-सी, कैलिफोर्निया में एक छोटा शहर जहां आने वाले मेहमानों को अगर दो इंच से अधिक ऊंची हील पहनना है, तो उन्हें सरकारी परमिट लेने की जरूरत है। कार्मेल-बाय-द-सी में परमिट वाली कहानी किसी कहानी का हिस्सा लगती है, मगर ये पूरी तरह सच है। अगर आपके हील्स दो इंच से अधिक ऊंचाई के हैं और एक वर्ग इंच से कम सहनशील सतह है, तो बिना शहर के हॉल से परमिट प्राप्त किए उन्हें सार्वजनिक रूप से पहनना अवैध है। परमिट मुफ्त में जारी किया जाता है, और कई पर्यटक इसे केवल एक स्मृति चिन्ह के रूप में प्राप्त करते हैं, भले ही वे हील्स में न चलें। प्रमाणपत्र अनुरोध करने वाले व्यक्ति के नाम पर जारी किया जाता है और ड्यूटी पर मौजूद किसी एक क्लर्क द्वारा उसे साइन किया जाता है। कार्मेल-बाय-द-सी की सड़कों पर हाई-हील्स पहनने को अवैध बनाने वाला कानून 1963 में शहर के अटॉर्नी की मांग पर पारित किया गया था। यह कानून उस वक्त भी अजीबोगरीब ही लगता था, पर सच तो ये है कि आज इसका बहुत अहम कारण है। दरअसल, कैलिफोर्निया का यह शहर कई साइप्रेस और मोंटेरे पाइंस का घर है, जिनमें से कई प्रभावशाली आकार तक बढ़ गए हैं। हालांकि, जैसे-जैसे पेड़ बढ़े, वैसे-वैसे उनकी जड़ें भी बढ़ीं, कंक्रीट के फुटपाथों को ऊपर उठा दिया। इस तरह लोगों के पैदल चलते वक्त गिरने का भी खतरा बढ़ गया। अनियमित फुटपाथ पर हाई हील्स पहनकर चलने से गिरने का खतरा बढ़ जाता है। शहर के अटॉर्नी नहीं चाहते थे कि कोई भी महिला दुर्घटना का शिकार हो और फिर नगर निगम पर खराब सड़कों को लेकर केस कर दे। इस वजह से परमिट के नियम को लागू किया गया। पुलिस इस कानून को नहीं मानती, अगर कोई बिना पर्मिट के पकड़ा जाए तो उन्हें जेल नहीं होगी, हालांकि, फिर वो हादसे के बाद शहर के नगर निगम पर केस नहीं कर पाएंगे और नगर निगम की जवाबदेही खत्म हो जाएगी। दिलचस्प बात यह है कि कुछ साल पहले तक, कार्मेल-बाय-द-सी में डाउनटाउन सीमाओं के भीतर आइसक्रीम के उपभोग पर प्रतिबंध लगाने वाला एक कानून भी था। उस वक्त लोग नहीं चाहते थे कि आइसक्रीम गिरने से फुटपाथ चिपचिपे हो जाएं।

अजब-गजब | यहां होती है अजीबोगरीब प्रतियोगिता

यहां खाली बैठते हैं प्रतिभागी, कुछ नहीं करने पर मिलता है पुरस्कार!

अक्सर घर में बच्चों को माता-पिता टोकते हैं कि वो खाली क्यों बैठे हैं, कुछ काम क्यों नहीं करते! पर क्या आप जानते हैं कि खाली बैठना भी एक काम है और जो इस काम को बखूबी करता है, उसे परस्कार मिल सकता है। दरअसल, दक्षिण कोरिया में एक अनोखी प्रतियोगिता होती है जिसे स्पेस-आउट प्रतियोगिता कहा जाता है। इस कंप्टीशन में भाग लेने वाले कुछ भी नहीं करते, वो चुपचाप, खाली बैठते हैं। इस प्रतियोगिता का 11वां संस्करण 11 मई को सियोल के जाम्सू ब्रिज बनपो हंगंग पार्क में हुआ और एक बार फिर इसमें भाग लेने के लिए काफी लोग शामिल हुए।

द कोरिया टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल की प्रतियोगिता का हिस्सा बनने के लिए लगभग 4,547 टीमों ने आवेदन किया लेकिन केवल 80 टीमों के 126 प्रतिभागियों ने क्वालिफाई किया। इसमें सैनिक, ट्रेन ऑपरेटर, तैराक आदि जैसे लोग शामिल थे। इसका उद्देश्य बिल्कुल सरल है, 90 मिनट तक स्थिर बैठें और ध्यान हटाएं। कोई फोन, कोई बातचीत, कोई सोना नहीं। लोगों के दिल के धड़कने की रफ्तार और दर्शकों द्वारा मिलने वाले वोट के आधार पर विजेता का चयन होता है।कंप्टीशन के लिए सबसे पहले पहुंचने वालों में से एक थे 62 वर्षीय पैरालीगल चोई आई-रो। उन्होंने कहा, मैं यहां आया क्योंकि मैं यह महसूस करना चाहता था कि रुकना और आराम करना कितना महत्वपूर्ण है। वो दो घंटे पहले ही प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए पहुंच गए थे। 8 साल की किम जू-हा भी बाहर खड़ी थीं। उन्होंने कहा मैंने महसूस किया कि मैं खेल के मैदान में खेलते हुए ध्यान हटाने में वास्तव में अच्छी हूं। यही वजह है कि मैंने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

4 बजे प्रतियोगी 15 मिनट के परिचय सेशन और एक छोटे से स्ट्रेचिंग सेशन के साथ शुरू हो गए। फिर 90 मिनट तक हर कोई पूरी तरह स्थिर रहा। रिपोर्ट के अनुसार, डॉक्टर की तरह कपड़े पहने स्टाफ हृदय गति की जांच करने के लिए घूम रहे थे। अन्य, पुराने स्टाइल के मजिस्ट्रेट कॉस्ट्यूम में पार्क में टहलते रहे ताकि सुनिश्चित हो सके कि हर कोई वास्तव में ध्यान हटा रहा है। ध्यान भटकाने वालों को पहली चेतावनी दी जाती है, जिससे वो लोग सचेत हो जाएं। फिर दूसरी चेतावनी का मतलब होता है कि वो अयोग्य करार दे दिए गए। प्रतियोगिता का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया गया और यह वायरल हो गया। वीडियो में प्रतिभागी रचनात्मक कॉस्ट्यूम में चुपचाप बैठे नजर आ रहे हैं। कोई जोकर के रूप में, दूसरा निंजा के रूप में और यहां तक कि एक पुलिस अधिकारी के रूप में भी नजर आ रहा है। एक यूजर ने ये देखकर कहा, इसमें तो मैं ऑस्कर जीतने वाला हूं। द कोरिया टाइम्स के अनुसार, घटना को 2014 में कोरियाई विजुअल आर्टिस्ट वूस्यांग ने बनाया था। उन्होंने एक बार वाइस को बताया था कि वो काम से परेशान हो चुकी थीं और उन्हें लगने लगा था कि वो प्रोडक्टिव नहीं रह गई हैं। तब उन्हें ऐसा करने का आइडिया आया।

आदिवासियों की जमीन पर भू-माफिया कर रहे कब्जा : कमलनाथ

» पूर्व सीएम का भाजपा सरकार पर प्रहार
» प्रशासन की भी मिलीभगत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छिंदवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने अपने गृह जिले छिंदवाड़ा में आदिवासियों की जमीनें भू-माफिया द्वारा हड़पने का आरोप लगाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को खुला पत्र लिखकर न केवल भू-माफियाओं पर निशाना साधा, बल्कि जिला प्रशासन पर भी सीधे-सीधे मिलीभगत के आरोप जड़ दिए।

कमलनाथ ने पत्र में लिखा है कि छिंदवाड़ा आदिवासी बहुल जिला है, जहां जामई, तामिया, हर्रई, अमरवाड़ा, बिछुआ और पांढुर्ना जैसे क्षेत्र आदिवासी संस्कृति की पहचान हैं, लेकिन अब इन क्षेत्रों में संगठित भू-माफिया नेटवर्क सक्रिय हो चुका है, जो आदिवासियों की जमीनें औने-पौने दाम में खरीदने, फर्जी अनुबंध कराने और बाद में नामांतरण कराकर उन्हें गैर-आदिवासियों के नाम दर्ज कराने में जुटा है। कमलनाथ ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि इस पूरे मामले में जिला प्रशासन की भूमिका संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में प्रशासन की चुप्पी यह संकेत देती है कि या तो प्रशासन मूकदर्शक है या फिर इस साजिश में सहभागी। पत्र में कमलनाथ ने बुदनी क्षेत्र का उदाहरण देते हुए लिखा कि वहां अवैध रूप से हस्तांतरित आदिवासी जमीनों को पुन: उनके मूल मालिकों को लौटाया गया। उन्होंने छिंदवाड़ा में भी ऐसी ही कड़ी और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। इससे पहले पूर्व सीएम कमलनाथ ने कई बार मप्र की सरकार पर हमला बोला है। वह शिवराज सिंह चौहान सीएम रहते हुए कई भ्रष्टाचार व माफियागिरी के मामले उठा चुकें हैं। वह राज्य की समस्याएं समय-समय पर उठाते रहते हैं।

कॉलोनियों में बदली जा रही आदिवासियों की जमीन

पूर्व सीएम का कहना है कि जिन जमीनों पर कभी आदिवासी किसान फसलें उगाते थे, आज वहां रिहायशी कॉलोनियों की दीवारें खड़ी की जा रही हैं। आदिवासी समुदाय को उनके ही अधिकारों से वंचित कर विकास के नाम पर उन्हें बेदखल किया जा रहा है। वहीं कमलनाथ ने खुलासा किया कि भू-माफिया अब इस लूट को वैधानिक रूप देने के लिए आदिवासी से आदिवासी के नाम पर दिखावटी सौदे कर रहे हैं, जिससे कानून की आंखों में धूल झोंकी जा सके। लेकिन असलियत में इन सौदों का पूरा नियंत्रण माफिया के हाथों में है।

हरियाणा में पंजाबियों की एंट्री बैन करेंगे : अभय चौटाला

» इनेलो की चेतावनी, बोले- भगवंत मान व नायब सैनी डमी मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की कार्यकारिणी की बैठक बुधवार को चंडीगढ़ स्थित जाट भवन में हुई। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला समेत पार्टी के तमाम नेता मौजूद रहे। इनेलो नेताओं ने आगामी दिनों में तमाम मुद्दों पर पार्टी की रणनीति बैठक में तय की। कार्यकारिणी की बैठक के बाद इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला प्रेस कॉन्फ्रेंस की बैठक के बारे में जानकारी दी। अभय चौटाला ने कहा कि कार्यकारिणी की बैठक में निर्णय हुआ कि यदि हरियाणा को उसके हिस्सा का 9000 क्यूसेक से कम पानी मिला तो 25 मई को अंबाला और दूसरे स्थान पर पंजाब के रास्ते पूरी तरह से बंद कर दिए जाएंगे।

25 मई को सांकेतिक धरना होगा फिर भी पानी नहीं मिला एक जून को पूरी तरह से रास्ते बंद कर देंगे। तब पंजाब को पता चलेगा कि पानी न मिलने से कितनी तकलीफ होती है। अभय चौटाला ने कहा कि पंजाब के सीएम भगवंत मान के साथ ही हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर भी जमकर जुबानी हमला बोला है। चौटाला ने कहा कि पंजाब और हरियाणा दोनों ही राज्यों के मुख्यमंत्री डमी मुख्यमंत्री हैं। क्योंकि पंजाब सीएम भगवंत मान को दिल्ली से केजरीवाल चलते हैं, जबकि हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को दिल्ली से ही मनोहर लाल आदेश और निर्देश देते हैं। जजपा को लेकर भी बयान दिया कहा की जजपा वाले अब कह रहे हैं बीबीएमबी में उनका कोई सदस्य नहीं जब वह सरकार का हिस्सा थे तब हरियाणा की पैरवी क्यों नहीं की। इसके अलावा राज्य कार्यकारिणी की बैठक में तीन अन्य फैसले भी दिए गए हैं।

नगर निगम ने सरकारी नाले पर अतिक्रमण करने पर दी नोटिस

» अब भी दबंग सरकारी नालों पर निर्माण करने से बाज नहीं आ रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में सरकारी भूमि, तालाब और नालों पर अवैध कब्जे को लेकर नगर निगम लखनऊ पैनी नज़र बनाए हुए है। बीते दिनों में नगर निगम ने नालों को पाटकर निर्माण करने वालो पर कार्रवाई की गई लेकिन कुछ दबंग प्रवृत्ति के लोग सरकारी नालों पर निर्माण करने से बाज नहीं आ रहे हैं। लखनऊ के कल्याणपुर कमला मार्केट के पास रिंग रोड हाइवे पर बने नाले पर स्लैब डालकर निर्माण करने के मामले में नगर निगम जोन 7 के अवर अभियन्ता ने निर्माणकर्ता के कार्रवाई करते हुए नोटिस जारी कर दिया है।

दरअसल उत्तर प्रदेश नगर योजना नगर निगम की धारा 296, उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास (संशोधन) अधिनियम की धारा 97 की धारा 26क (3) के अन्तर्गत सरकारी सड़क / फुटपाथ पर भवन सामग्री व मलवा इकट्ठा कर अतिक्रमण किया जाना दण्डनीय है। वहीं नगर निगम द्वारा नाले पर निर्माण को हटाने के लिए अनुरोध किया गया है। अन्यथा विवश नगर निगम उक्त धारा के अन्तर्गत निर्माणकर्ता के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करेगा और दण्ड वसूला जाएगा।

महायूति सरकार में भ्रष्टाचार बढ़ा : राउत

» बोले- धुले जिले के दौरे के दौरान विधानमंडल की समिति को रिश्वत देने का हुआ प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र सरकार में भ्रष्टाचार बढ़ने का दावा किया है। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने धुले जिले के दौरे के दौरान राज्य विधानमंडल की प्राक्कलन समिति को 'रिश्वत' देने की कोशिश को नाकाम कर दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। राउत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि धुले शहर में सरकारी अतिथि गृह के एक कमरे में पांच करोड़ रुपये से अधिक की नकदी मिली।

राज्यसभा सदस्य ने दावा किया, समिति को रिश्वत देने के लिए धुले के सरकारी विश्राम गृह गुलमोहर के कमरा नंबर 102 में लगभग साढ़े पांच करोड़ रुपये रखे गए थे।

राउत ने कहा कि शिवसेना के पूर्व विधायक अनिल अन्ना गोटे और स्थानीय शिवसेना (उबाठा) नेताओं ने कमरे को बंद कर दिया और बाहर पहरा देने लगे। उन्होंने आरोप लगाया, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को सूचित करने के बावजूद चार से पांच घंटे बीत गए और कोई नहीं आया... प्रशासन की ओर से कोई सहयोग नहीं मिला। रिश्वत का उद्देश्य विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और इसमें अधिकारियों की संलिप्तता को दबाना था। राउत ने बताया कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के विधायक अर्जुन खोतकर समिति के अध्यक्ष हैं। प्राक्कलन समिति को राज्य बजट में किसी विशेष क्षेत्र को आवंटित धन के उपयोग की जांच करने का अधिकार है। इस बीच, धुले के पुलिस अधीक्षक श्रीकांत धीवरे ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

प्रतिनिधिमंडल के लिए कुछ देश बिना मतलब के जोड़े गये हैं

राउत ने सवालिया अंदाज में कहा कि उन देशों में प्रतिनिधिमंडल भेजने की क्या जरूरत है जिनका भारत और पाकिस्तान के मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है? लाइबेरिया, कांगो और सिएरा लियोन जैसे देशों का चयन गंभीर सवाल खड़े करता है। वह कल्याण से शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल का जिक्र कर रहे थे, जो बुधवार सुबह संयुक्त अरब अमीरात के लिए रवाना हुआ और उसके कुछ अफ्रीकी देशों की यात्रा करने की भी संभावना है। राउत ने दावा किया कि इस कदम के पीछे का समय और इरादा बताता है कि इसमें रणनीतिक स्पष्टता का अभाव है।

प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बनीं मुंबई

» सूर्यकुमार के बाद सैंटनर-बुमराह चमके दिल्ली को लगा झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 59 रनों से हरा दिया। इसी के साथ मुंबई आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गई। इससे पहले गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया था। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई के लिए सूर्यकुमार यादव ने 43 गेंदों में सात चौके और छह गगनचुंबी छक्के की मदद से 73 रनों की नाबाद पारी खेली।

जिसके दम पर मुंबई ने पांच विकेट खोकर 180 रन बनाए। जवाब में दिल्ली 18.2 ओवर में सिर्फ 121 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह और मिचेल सैंटनर ने तीन-तीन विकेट झटके। दिल्ली को मात देकर मुंबई ने प्लेऑफ के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया है। हालांकि, दोनों टीमों के ग्रुप चरण में अभी एक-एक मैच बचे हैं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली को उसके बल्लेबाजों ने निराश किया। उनके लिए समीर रिजवी ने सर्वाधिक 39 रनों की पारी खेली। इसके अलावा सिर्फ तीन बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू पाए। इनमें केएल राहुल (11), विप्रज निगम (20) और आशुतोष शर्मा (18) शामिल हैं। मुंबई के खिलाफ मैच में टीम के नियमित कप्तान अक्षर पटेल तबीयत खराब होने की वजह से नहीं खेलने उतरे। उनकी जगह फाफ डुप्लेसिस ने दिल्ली का नेतृत्व किया। वह सिर्फ छह रन बना पाए।

24 मई को मिल सकता है भारत को नया टेस्ट कप्तान

नई दिल्ली। रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद यह चर्चा जोरों पर है कि भारतीय टेस्ट टीम का अगला कप्तान कौन होगा। भारत को अगले महीने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाना है और इसके लिए अगले कुछ दिनों में टीम घोषित हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान 24 मई को किया जा सकता है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि शनिवार को चयन समिति की बैठक होगी जिसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस भी हो सकती है। भारतीय टीम का एलान शनिवार को दोपहर 12 बजे हो सकता है। टेस्ट कप्तानी की दौड़ में जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल और ऋषभ पंत आगे चल रहे हैं। हालांकि, कार्यभार प्रबंधन के चलते बुमराह का पांचों टेस्ट में खेलना मुश्किल है। ऐसे में अब गिल तथा पंत कप्तानी की दौड़ में सबसे आगे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर नहीं रुक रही रार

» कांग्रेस ने उठाए सवाल पीएम ने भरी हुंकार

» भाजपा बोली- मूर्खों को क्या कहा जा सकता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बयानों के तीर रूक नहीं रहें है। एकबार फिर कांग्रेस ने सवाल उठाया तो उसकी प्रतिक्रिया में भाजपा ने भी पलटवार किया। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद भारतीय सेना को कोई नुकसान हुआ या कोई हताहत हुआ, इस बारे में सरकार पारदर्शी नहीं है।

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना को हुए किसी नुकसान को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं और कहा कि उन्होंने सुना है कि पाकिस्तान ने सस्ते चीन निर्मित ड्रोन का इस्तेमाल किया जबकि भारत ने महंगी मिसाइलों से जवाब दिया। भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी ने पाकिस्तान के लिए कंटेंट बनाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली है, क्योंकि भारत में पाकिस्तानी यूट्यूबर्स और प्रभावशाली लोगों की दुकानें बंद हो गई हैं... वे दुनिया को यह क्यों नहीं बताते कि 26/11 के बाद उन्होंने क्या बड़े कदम उठाए? सेना का अपमान, यही कांग्रेस पार्टी की बन चुकी है पहचान; मानो कांग्रेस और पाकिस्तान दो हिस्से एक जान... कांग्रेस स्पष्ट रूप से पाकिस्तान को अपने नैरेटिव को फैलाने में मदद कर रही है... कांग्रेस पाकिस्तान के इस भ्रम को साझा करती है कि पाकिस्तानी सेना जीत गई।

दुनिया ने देख लिया जब सिंदूर बारूद बन जाता है तो नतीजा क्या होता है : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बीकानेर में एक रैली के दौरान पाकिस्तान पर तीखा हमला किया और कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेते हुए भारत ने महज 22 मिनट के भीतर पाकिस्तान के नौ बड़े एयरबेस नष्ट कर दिए। उन्होंने कहा कि जब सिंदूर बारूद बन जाता है तो पूरी दुनिया ने देखा और दुश्मनों ने भी इसका नतीजा देखा। पीएम मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने हमारी बहनों का धर्म पहचान कर उनके सिंदूर को मिटा दिया। हमला पहलगाम में हुआ, लेकिन गोलियों ने 1.4 अरब भारतीयों के दिलों को छलनी कर दिया। मोदी ने कहा कि एक स्वर में एकजुट होकर, हर भारतीय ने आतंकवाद को खत्म करने और कल्पना से परे सजा सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। यह भारतीय सशस्त्र बलों के साहस के कारण है कि हम आज मजबूत हैं। हमारी सरकार ने तीनों सेवाओं को खुली छूट दी और साथ में, तीनों सेवाओं ने इतनी प्रभावशाली रणनीति बनाई कि इसने पाकिस्तान को झुकने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश के हर नागरिक ने कसम खाई थी कि वो आतंकियों को मार गिराएंगे। उन्होंने कहा, आज आपके आशीर्वाद से हम सब सेना की बहादुरी पर खरे उतरे हैं और हमारी सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दे दी है और तीनों सेनाएं एक साथ मिलकर ऐसा कुचक्र रच रही हैं कि पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा।

खेतों में इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रोन और लड़ाकू ड्रोन में अंतर होता है : देवेंद्र फडणवीस

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, मूर्खों को क्या कहा जा सकता है? फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को चीजों में अंतर नहीं दिखता है, उनके लिए किसानों द्वारा खेतों में इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रोन और लड़ाकू ड्रोन में कोई अंतर नहीं है। तो ऐसे लोगों को क्या जवाब दिया जाना चाहिए? कांग्रेस नेताओं का एकमात्र काम सेना का मनोबल गिराना है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि गुलाम अहमद मीर और विजय वडेट्टीवार द्वारा भेजे गए ड्रोन से ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी डीजी आईएसपीआर की तरह व्यवहार कर रही है।

सीजफायर पर ट्रंप के दावे पर पीएम क्यों हैं खामोश : जयराम

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच हाल में हुए विवाद को व्यापार के जरिए सुलझाने के दावे को दोहराने पर कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार भी इस दावे को खारिज नहीं किया है और पूछा कि इस चुप्पी का क्या मतलब है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पिछले 11 दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 8 बार दोहराया है कि उन्होंने भारत को समझाया और युद्ध विराम करवाया। लेकिन उनके दोस्त पीएम मोदी चुप हैं। हमारे विदेश मंत्री चुप हैं। डोनाल्ड ट्रंप पीएम मोदी और पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ दोनों की तारीफ करते हैं। इसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान एक ही नाव में सवार हैं। जयराम रमेश ने कहा कि भारत और पाकिस्तान एक ही स्तर पर हैं। यह हमें अस्वीकार्य होना चाहिए। पीएम चुप क्यों हैं?... जब ट्रंप ने कहा कि उनके हस्तक्षेप के कारण ऑपरेशन सिंदूर चार दिनों के भीतर समाप्त हो गया, तो पूरा देश हैरान रह गया। पीएम मोदी को इन सवालों का जवाब देना चाहिए। वह इन मुद्दों से ध्यान भटका रहे हैं। अब, वह कहते हैं कि वे प्रतिनिधिमंडल भेज रहे हैं। वहीं, पवन खेड़ा ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि वह दावा करते हैं कि उन्होंने भारत से ऑपरेशन सिंदूर खत्म करवाने के लिए व्यापार का इस्तेमाल किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार भी इस दावे को खारिज नहीं किया है। इस चुप्पी का क्या मतलब है?

लोगों को जानने का हक कि कोई राफेल गिराया गया या नहीं : वडेट्टीवार

महाराष्ट्र कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा, ऐसी चर्चा है कि उन्होंने (पाकिस्तान ने) 5,000 चीन निर्मित ड्रोन लॉन्च किए और प्रत्येक ड्रोन की कीमत 15,000 रुपये थी। 15,000 रुपये के प्रत्येक ड्रोन को नष्ट करने के लिए हमने 15 लाख रुपये की मिसाइलें लॉन्च कीं। यह चीन की चाल का हिस्सा था, ये चर्चाएं हैं, हालांकि मुझे सच्चाई नहीं पता। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत ने अमेरिका के निर्देश पर ही शत्रुता समाप्त करने पर सहमति जताई, लेकिन लोगों को यह जानने का हक है कि कोई राफेल लड़ाकू विमान गिराया गया या नहीं।

बिहार चुनाव से पहले कांग्रेस ने कसी कमर

» महागठबंधन में राजद के हर वादे का समर्थन करेंगे

» सरकार बनने पर महिलाओं को हर महीने देंगे 2,500 रुपये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कांग्रेस ने बिहार विस सभा चुनाव के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में जहां पार्टी आम जन को जोड़ने के लिए अपनी सरकार आने पर क्या-क्या देगी इसका एलान कर रही है वहीं उसने कहा है कि कांग्रेस महागठबंधन का हिस्सा है जिसमें राजद बड़े भाई की भूमिका में होगी।

कांग्रेस की नेत्री अल्का लांबा ने वादा किया, उनकी पार्टी माई बहन मान योजना का समर्थन करेगी। जिसकी कल्पना उनके गठबंधन सहयोगी राजद के तेजस्वी यादव ने कुछ महीने पहले की थी।अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की प्रमुख अलका लांबा ने बुधवार को घोषणा की कि अगर इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद महागठबंधन सत्ता में आती है तो बिहार की महिलाओं को 2,500 रुपये का मासिक भत्ता मिलेगा। कांग्रेस महागठबंधन का हिस्सा है जिसमें राजद बड़े भाई की भूमिका में है। इस दौरान बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश कुमार भी मौजूद रहे।

बारिश से पहले जल निकासी की व्यवस्था करें दुरुस्त : डॉ. जैकब

» मंडलायुक्त ने किया नालों की सफाई का निरीक्षण, ड्रेनेज प्लान, एवं मैनपावर मशीनरी बढ़ाने के दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बारिश के दौरान शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव से निजात दिलाने के लिए मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब द्वारा नगर निगम क्षेत्र के बड़े नालों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय पार्षद अनुराग मिश्रा अनु ने मंडलाआयुक्त को अब्दुल अजीज रोड पर बना नाले का निरीक्षण कराया जो कि पूरी तरह से गंदगी से भरा हुआ था जिसपर मंडला आयुक्त ने नाराजगी दिखते हुए सफाई के सख्त निर्देश दिए है जल निकासी की व्यवस्था को देखना और संभावित जलभराव स्थलों की पूर्व तैयारी का आकलन किया गया।

निरीक्षण गोल्फ सिटी पुलिया, दयाल पैराडाइज चौराहा, जनेश्वर मिश्र पार्क गेट नं (2) के सामने स्थित नाला, वजीरगंज नाला वार्ड गोलागंज, अब्दुल अज़ीज़ रोड चौक, अहमद हसन कोठी अकबरी गेट चौक क्षेत्र में किया। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने मंण्डलायुक्त को बताया कि नगर निगम क्षेत्र में नालों की सफाई का काम तेजी से कर रहा है। वहीं निरीक्षण के दौरान नालों व ग्रामीण क्षेत्रों में भी सफाई का काम चलता पाया गया। मंण्डलायुक्त डॉ रोशन जैकब द्वारा निर्देशित किया गया कि बारिश से पूर्व मैनपावर एवं मशीनरी में बढ़ोतरी कर सफाई सुनिश्चित की जाए। बड़े नालों एवं ड्रेनेज की संरचनात्मक स्थिति की गहन समीक्षा कर आवश्यक मरम्मत कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से बचने हेतु नगर निगम द्वारा जलभराव स्थलों की मैपिंग करते हुए ड्रेनेज मैकेनिज्म प्लान तैयार किया जाए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार एवं नगर निगम के संबंधित ज़ोनल अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार में मरीज की उंगलिया कुतर गये चूहे

तेजस्वी ने दी चुनौती मंच और माइक नीतिश कुमार तय करें वह खुली बहस को तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नालांदा हास्पिटल में भर्ती मरीज अवधेश प्रसाद की उंगलियों को चूहों द्वारा कुतर दिये जाने की घटना से बिहार में राजनीतिक बमचक मच गयी है। इस घटना ने साबित कर दिया है कि वहां स्वस्थय सेवाएं निम्मस्तर पर हैं। हुआ यह कि दिव्यांग अवधेश प्रसाद की सर्जरी हुई थी। आपरेशन के बाद वह अस्पताल के बिस्तर पर सो रहे थे तभी उनके हाथों की उंगलियों को चूहों ने कुतर दिया। इस घटना से बिहार ने बिहार में जनआक्रोश पैदा कर दिया है।

बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नीतिश सरकार पर गंभीर सवाल उठाये हैं और वहां के स्वस्थय मंत्री मंगल पांडे को खुली बहस की चुनौती दी है। तेजस्वी ने कहा है कि मंच और माइक सरकार का। वह इस विषय पर खुली बहस करना चाहते हैं। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे पर बुधवार को बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि नालंदा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक मरीज के हाथ को चूहों द्वारा कुतरे जाने की चौंकाने वाली घटना सामने आने के बाद राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर बड़े सवाल खड़े होते हैं। तेजस्वी यादव ने इस घटना पर कड़ा एतराज जताते हुए मंगल पांडे को बिहार में स्वास्थ्य सेवा की स्थिति पर सार्वजनिक बहस करने की चुनौती दी।

तेजस्वी का जवाबी चैलेंज

तेजस्वी यादव ने कहा है कि सरकार बस मंच और माइक की व्यवस्था करें और मुझे एक दिन पहले सूचित करें। मैं आकर बताऊंगा कि वास्तव में कितना काम हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री अपने महकमे से पूरी तरह कटे हुए हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहाकरि के हेल्थ मिनिस्टर कभी अस्पताल नहीं जाते यहां तक कि औचक निरीक्षण के लिए भी नहीं। जब मैं उप-मुख्यमंत्री था तब हमने मिशन 60 डेज लॉन्च किया था निरीक्षण किए थे और 700 से अधिक लापरवाह डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की थी।

फ्रंटफुट पर राजद नेता

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने मुजफ्फरपुर, मधेपुरा और पूर्णिया के मेडिकल कॉलेजों की खराब स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि यह स्वास्थ्य क्षेत्र में शासन की पूर्ण विफलता को दर्शाता है। अस्पताल के बिस्तर माफियाओं द्वारा बेचे जा रहे हैं और बिहार के स्वास्थ्य मंत्री को कुछ नहीं पता। राजद नेता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह बेहोशी की हालत में हैं। उनके अधिकारी कभी-कभी उन्हें पटना में निर्माण स्थलों का निरीक्षण करने के लिए ले जाते हैं लेकिन इसके अलावा उन्हें पता ही नहीं है कि क्या हो रहा है चाहे वह गरीबी हो, बेरोजगारी हो, कानून-व्यवस्था हो या चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्था हो।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 । **Email**: daily4pm@gmail.com
website: www.4pm.co.in । **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।